



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 514 राँची, गुरुवार 16 आषाढ़, 1937 (श०)  
9 जुलाई, 2015 (ई०)

#### जल संसाधन विभाग

-----  
संकल्प

18 जून, 2015

**विषय:-** जल संसाधन विभाग झारखंड, राँची के अन्तर्गत कार्यरत लेखा कार्यालयों के पुनर्गठन के संबंध में ।

संख्या-10/स्था0-02/2012- 2987-- जल संसाधन विभाग (तत्समय-सिंचाई एवं विद्युत विभाग) के अन्तर्गत नदीघाटी परियोजना प्रभाग का गठन अक्टूबर 1960 में किया गया था। नदीघाटी परियोजना विभाग के अधीन कुल चौदह लेखा कार्यालयों का सृजन पूर्ववर्ती बिहार राज्य में किया गया था, जिसमे से छः लेखा कार्यालय जो झारखंड राज्य की भौगोलिक परिधि में थे, विभाजन के उपरान्त जल संसाधन विभाग झारखंड, राँची के अधीन कार्यरत हैं।

2. इन लेखा कार्यालयों को निम्नांकित कार्यों का दायित्व सौंपा गया था :

- क) आवश्यकतानुसार नदीघाटी परियोजना के वित्तीय मामलों में परामर्श देना ।
- ख) नदीघाटी परियोजना विभाग के अधीन प्रमण्डलों के कार्य मद में कार्य से संबंधित लेखाओं का संकलन, समेकित लेखा का संग्रहण एवं महालेखाकार को प्रेषण ।

- ग) प्री चेक प्रणाली के अन्तर्गत नदीघाटी परियोजना कार्यालयों के लेखाओं की आंतरिक जाँच एवं लेखा निरीक्षण से संबंधित कार्य।
3. जल संसाधन विभाग के प्रमंडलीय कार्यालयों (गैर नदीघाटी परियोजना) द्वारा लेखा प्रेषण सीधे महालेखाकार को किया जाता रहा है, जबकि नदीघाटी परियोजना से संबंधित प्रमण्डलों का लेखा प्रेषण लेखा पदाधिकारी / वित्त पदाधिकारी के कार्यालय के माध्यम से किया जाता है। सभी कार्य प्रमण्डलों में महालेखाकार के प्रतिनिधि के रूप में प्रमंडलीय लेखापाल / लेखा पदाधिकारी पदस्थापित रहते हैं जिनके हस्ताक्षर से प्रेषित लेखा महालेखाकार द्वारा मान्य है।
  4. नदीघाटी परियोजना के अन्तर्गत अधिकांश परियोजनायें पूरी हो चुकी हैं। अतः इस परियोजना के प्रमण्डलों की संख्या घटने के साथ-साथ लेखा कार्यालयों का कार्यभार भी घटता गया।
  5. विभाग में वित्त पदाधिकारी के एक पद एवं लेखा पदाधिकारी के पाँच पद ( जो महालेखाकार से प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों हेतु हैं) के विरुद्ध विगत कई वर्षों से मात्र एक लेखा पदाधिकारी ही प्रतिनियुक्त रहे हैं तथा किसी भी कार्यालय में अधीक्षक अथवा वरीय अंकक्षेक नहीं है। फलस्वरूप विपत्र पारित करने के पूर्व Pre Check की प्रक्रिया महज औपचारिकता रह गयी है।
  6. वर्तमान में लागू on-line Allotment व्यवस्था तथा C-DAC के तहत प्रस्तावित billing एवं Accounting व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी आगे इन लेखा कार्यालयों की प्रासंगिकता प्रतीत नहीं होती है। राज्य विभाजन के उपरांत बिहार राज्य में लेखा कार्यालयों का विघटन जल संसाधन विभाग बिहार के पत्रांक 5/विविध-03-310/2002-5451 दिनांक 29 जुलाई, 2002 के द्वारा हो चुका है।
  7. जल संसाधन विभाग, झारखंड, राँची के अधीन छः लेखा कार्यालयों हेतु कुल छः राजपत्रित पद (महालेखाकार से प्रतिनियुक्त पदाधिकारी) एवं 80 अराजपत्रित पद स्वीकृत है, जिनका अवधि विस्तार प्रतिवर्ष किया जाता रहा है। इन कार्यालयों में पूर्व से चले आ रहे अस्थायी पदों एवं कार्यरत बल की स्थिति निम्नवत है :-

क्रमांक	पदनाम	पूर्व से चले आ रहे अस्थायी पद	कार्यरत बल
1.	अधीक्षक	07	0
2.	वरीय अंकक्षेक	08	0
3.	उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)	26	10

4.	निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)	09	14
5.	टंकक	07	02
6.	कोषरक्षक	04	0
7.	अनुसेवक	12	12
8.	आशुटंकक	04	0
9.	दफतरी	03	0
कुल		80	38

8. उक्त परिप्रेक्ष्य में जल संसाधन विभाग के अधीन कार्यरत लेखा कार्यालयों को निम्नरूप से पुर्नगठित किया जाता है।

i. सुवर्णरेखा बहुद्वेशीय परियोजना एक वृहद परियोजना है, अतः प्रशासक सुवर्णरेखा परियोजना के अधीन वित्त पदाधिकारी का कार्यालय, जल संसाधन विभाग, सुवर्णरेखा परियोजना इकाई, आदित्यपुर जमशेदपुर के अधीन स्वीकृत वित्त पदाधिकारी -01, अधीक्षक-01 वरीय अंकक्षेक-02, उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)-04, निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)-02, टंकक-02, दफतरी-01, कोषरक्षक-01, अनुसेवक-02 एवं आशुटंकक-01 पद यथावत रहेंगे। इनकी विवरणी निम्नवत है :-

क्र०	पदनाम	स्वीकृत बल	कार्यरत बल	अभियुक्ति
1.	वित्त पदाधिकारी	01	00	
2.	अधीक्षक	01	00	
3.	वरीय अंकक्षक	02	00	
4.	उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)	04	03	
5.	निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)	02	03	01 उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा) के रिक्त पद के विरुद्ध कार्यरत है।

6.	टंकक	02	01	
7.	अनुसेवक	02	03	01 कोषरक्षक के रिक्त पद के विरुद्ध कार्यरत है।
8.	दफ्तरी	01	00	
9.	कोषरक्षक	01	00	
10.	आशुटंकक	01	00	

ii. वित्त पदाधिकारी का कार्यालय, सुवर्णरेखा परियोजना ईकाई आदित्यपुर, जमशेदपुर का दायित्व निम्नवत होगा :-

(क) आवश्यकतानुसार सुवर्णरेखा परियोजना के वित्तीय मामलों में परामर्श देना।

(ख) सुवर्णरेखा परियोजना के अधीन प्रमण्डलों के कार्य मद में कार्य संबंधित लेखाओं का संकलन, समेकित लेखा का संग्रहण एवं महालेखाकार को प्रेषण।

(ग) प्रमंडलीय कार्यालयों के लेखा कार्यों का निरीक्षण।

iii. लेखा पदाधिकारी का कार्यालय, देवघर, पलामू, राँची, मानगो (जमशेदपुर), गालूडीह (जमशेदपुर) की उपयोगिता नहीं रह जाने के कारण इन कार्यालयों का आगे अवधि विस्तार नहीं होगा।

निम्न कार्यरत बल को विभाग के विभिन्न मुख्य अभियंताओं के अधीन इस प्रकार हस्तांतरित किया जायेगा कि प्रत्येक मुख्य अभियंता कार्यालय में लेखा संधारण हेतु कम से कम एक लेखा लिपिक उपलब्ध हो जायेंगे। इन पदों के विरुद्ध कार्यरत कर्मियों के सेवानिवृत्त होने के उपरांत पद स्वतः समाप्त हो जायेगा।

(क) लेखा पदाधिकारी का कार्यालय, जल संसाधन विभाग, राँची का स्वीकृत तथा कार्यरत बल :-

क्र०	पदनाम	स्वीकृत बल	कार्यरत बल	अभियुक्ति
1.	उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)	08	03	
2.	निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)	02	02	
3.	टंकक	01	01	
4.	अनुसेवक	02	02	

(ख) लेखा पदाधिकारी का कार्यालय, जल संसाधन विभाग, देवघर का स्वीकृत तथा कार्यरत बल :-

क्र०	पदनाम	स्वीकृत बल	कार्यरत बल	अभियुक्ति
1.	उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)	04	01	
2.	निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)	01	01	
3.	अनुसेवक	02	02	

(ग) लेखा पदाधिकारी का कार्यालय, उत्तर कोयल बाँध परियोजना मेदिनीनगर, (डालटेनगंज) का स्वीकृत तथा कार्यरत बल :-

क्र०	पदनाम	स्वीकृत बल	कार्यरत बल	अभियुक्ति
1.	उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)	04	00	
2.	निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)	02	02	
3.	अनुसेवक	02	01	

(घ) लेखा पदाधिकारी का कार्यालय, सुवर्णरेखा परियोजना, मानगो, जमशेदपुर का स्वीकृत तथा कार्यरत बल :-

क्र०	पदनाम	स्वीकृत बल	कार्यरत बल	अभियुक्ति
1.	उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)	03	01	
2.	निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)	01	03	02 उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा) के रिक्त पद के विरुद्ध कार्यरत है।
3.	अनुसेवक	02	02	

(ड) लेखा कार्यालय, सुवर्णरेखा परियोजना, गालूडीह, जमशेदपुर का स्वीकृत तथा कार्यरत बल :-

क्र०	पदनाम	स्वीकृत बल	कार्यरत बल	अभियुक्ति
1.	उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)	03	02	
2.	निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)	01	03	01 टंकक, 01 उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा) के रिक्त पद के विरुद्ध कार्यरत है।
3.	अनुसेवक	02	02	
4.	टंकक	01	00	

9. समायोजित कर्मियों की वरीयता संबंधित मुख्य अभियंता प्रक्षेत्र में पूर्व से कार्यरत कर्मियों की वरीयता से संबंध नहीं रखेगा। इन्हें इनके पूर्व की वरीयता के आधार पर ही प्रोन्नति आदि का लाभ अनुमान्य होगा।
10. उक्त कार्यालयों के वर्तमान में कार्यरत कर्मियों के समायोजन संबंधित आदेश पृथक रूप से निर्गत किया जायेगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से

(ह०/-) अस्पष्ट

सरकार के प्रधान सचिव ।

-----